टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

जंगावतरणम्
JANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

अक्टूबर-दिसंबर, 2020

कवर स्टोरीः- टिहरी बाँध परियोजना-विकास एवं समृद्धि का केंद्र

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

गृह पत्रिका गंगावतरणम् का (अक्टूबर–दिसंबर, 2020) अंक आप सभी के समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। पत्रिका का आने वाला हर नया अंक पिछले से कुछ बेहतर हो एवं रचनात्मकता के नित नए कीर्तिमान स्थापित करे, संपादक के रूप में मेरा सदैव यही प्रयास रहा है।

कारपोरेशन से संबंधित समाचार एवं गतिविधियों को संतुलित रूप से प्रस्तुत करने की आशा और अपेक्षा गृह पत्रिका गंगावतरणम् से की जाती है और हम इसमें अब तक सफल रहे हैं यही संपादक मंडल की सामूहिक उपलब्धि है। आप सभी पाठकों के सुझाव और सहयोग हमारे लिए प्रेरणा स्रोत हैं। मेरा मानना है कि **"सुझाव ही सफलता की कुंजी है..."**

इसी क्रम में सोशल मीडिया सेंटर द्वारा हाल ही में "Role of Social Media Interventions in Enhancement of Employee Engagement @THDCIL" पर एक online survey कराया गया जिसके Insights इस अंक में आप सभी के साथ साझा किए गए हैं। यह हमारी एक नयी पहल है। आशा है आप सभी इसे सराहेंगे।

पत्रिका का यह अंक जब तक आप पाठकगणों तक पहुंचेगा, तब तक हम नव वर्ष 2021 में प्रवेश कर चुके होंगे। वर्ष 2021 में हरिद्वार कुंभ का आयोजन प्रस्तावित है। टिहरी बाँध विद्युत उत्पादन के साथ–साथ पेयजल एवं सिंचाई की जरूरत को भी पूरा करने में योगदान देता है। समय–समय पर केंद्र व संबंधित राज्य सरकारों के निर्देशानुसार पवित्र स्नानों के लिए गंगा नदी में जल प्रवाह सुनिश्चित करने में भी टिहरी बाँध अहम भूमिका निभाता है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रासंगिक विषय **"टिहरी बाँध परियोजना–विकास एवं समृद्धि का केंद्र"** को इस अंक की Cover Story के रूप में चुना गया है।

यह संपादक मंडल का अनवरत प्रयास रहता है कि इस तिमाही के दौरान कारपोरेशन द्वारा जनहित में किए गए कार्यों और टीएचडीसी परिवार के सदस्यों के विचारों को लेख आदि के माध्यम से पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

इसके अतिरिक्त, वर्तमान अंक में संविधान दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, दुर्गा पूजा, हरियाली पूजा जैसी समसामयिक गतिविधियों को भी प्रमुखता से स्थान देने का प्रयास किया गया है। गंगावतरणम् का यह नवीन अंक आप सभी को रोचक व प्रासंगिक लगेगा, यह मेरी आशा है। आप सभी पाठकों से निवेदन है कि यह आपकी...हमारी...हम सभी... की पत्रिका है, इसमें सुधार व नवाचार हेतु अपने सुझाव हमें निरंतर प्रदान करते रहें। इस सन्दर्भ में ये शब्द "A good relationship starts with good communication" तर्कसंगत लगते हैं ।

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

मुख्य संरक्षक
श्री डी.वी. सिंह
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक
श्री विजय गोयल
निदेशक (कार्मिक)

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
उप महाप्रबंधक
(कार्मिक–नीति, भर्ती व जनसंपर्क)

उप संपादक
(प्रबंधन संवाद)
गौरव कुमार
प्रबंधक (जनसंपर्क)

उप संपादक
(सामग्री (हिंदी) व प्रकाशन)
अनामिका बुडाकोटी
उप प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

समन्वयक

ऋषिकेश
जे.एल. भारती
ज.सं. अधिकारी

टिहरी
मनवीर नेगी
उप प्रबंधक (ज. सं.)

कोटेश्वर
आर.डी. ममगाई
उप प्रबंधक (ज.सं.)

पीपलकोटी
ए.एल. संतोष कुमार
प्रबंधक (कार्मिक)

कौशाम्बी
बी.एस. चौहान
ज.सं. अधिकारी

खुर्जा
संजीव नौटियाल
उप प्रबंधक (कार्मिक)

ढुकवां
नेलसन लकड़ा
उप महाप्रबंधक (कार्मिक)

निदेशक (कार्मिक) की कलम से...

प्रिय पाठकों,

गंगावतरणम् का वर्तमान अंक (अक्टूबर–दिसंबर, 2020) जब तक आप सभी के सम्मुख प्रस्तुत होगा, तब तक हम नव वर्ष 2021 में प्रवेश कर चुके होंगे, इसलिए मैं संवाद के प्रारम्भ में आप सभी को नव वर्ष की शुभकामाएं संप्रेषित करता हूं।

समय गतिमान होता है, जो निरंतर चलता रहता है और किसी के लिए नहीं रुकता। बदलते वक्त के साथ ढलना और बदलना ही बुद्धिमता का सही परिचायक है, चाहे वह हमारा कार्य क्षेत्र हो या व्यक्तिगत जीवन, और यही हमें कोरोना काल ने सिखाया है। जो कल तक असामान्य प्रतीत होता था वो अब "New Normal" है। यदि हम गंगावतरणम् का ही उदाहरण लें, तो भी कल तक जिस पत्रिका को हमें पढ़ने की आदत थी वह अब Digital & Animated version के माध्यम से हम सभी के मोबाइल, लैपटॉप पर उपलब्ध है। गृह पत्रिका का डिजिटलीकरण केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, अपितु मानसिकता में बदलाव की ओर एक पहल है।

e-office, HRMS, FMS, GST Module अब हम सभी के दैनिक कार्यों का अभिन्न अंग है।

विगत तिमाही में कई महत्वपूर्ण गतिविधियां हुई जैसे माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा कौशाम्बी कार्यालय का निरीक्षण, संविधान दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, दुर्गा पूजा आदि को पत्रिका में प्रमुखता से स्थान दिया गया है।

भारत सरकार के निर्देशानुसार वर्ष 2022 में आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "अमृत उत्सव" मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में सुझाव हेतु समय–समय पर सोशल मीडिया सेंटर द्वारा कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। आप सभी से आशा की जाती है कि इनमें बढ़–चढ़ कर भाग लें और अपने विचार साझा करें।

पिछले कुछ समय में ही नव गठित सोशल मीडिया सेंटर ने डिजिटल संवाद के क्षेत्र में कई नए कदम उठाए हैं, जो कि इस कोरोना काल में काफी प्रासंगिक प्रतीत हो रहे हैं जबकि सामाजिक दूरी पर पहले से ही ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए सोशल मीडिया सेंटर सहृदय सराहना का पात्र है।

जैसा कि विदित ही है कि आगे आने वाला समय उत्सवों का है। क्रिसमस, नव वर्ष, मकर संक्रांति, गणतंत्र दिवस आदि उत्सव हमें मनाने तो हैं, परंतु सावधानी सहित। सामाजिक दूरी बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य होने के साथ–साथ समय की जरुरत भी है। इस मंच से मैं आप सभी से यह अपील भी करता हूं कि समय–समय पर सरकार व प्रशासन द्वारा जारी किए जा रहे दिशानिर्देशों का पालन करें और नया वर्ष सादगी से अपने परिजनों के साथ मनाएं। नव वर्ष का आरंभ हम सभी इस सकारात्मक सोच के साथ करें :

"Yes we can..."- Barak Obama

स्वस्थ रहें... सुरक्षित रहें...

(विजय गोयल)
निदेशक (कार्मिक)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का नव वर्ष संदेश...

नव वर्ष के नव प्रभात की इस बेला पर आप सभी से संवाद करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। टीएचडीसीआईएल परिवार के सभी सदस्यों को नूतन वर्ष 2021 की हार्दिक शुभकामनाएं। वर्तमान परिवेश में आप सभी सपरिवार स्वस्थ रहें, इस बात पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वर्ष 2020 विश्व, हमारे राष्ट्र, विद्युत सेक्टर और व्यक्तिगत रूप से हम सभी के लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा है, यह किसी से छिपा नहीं है। आप सभी के सहयोग से हम इस कठिन समय का सामना कर पा रहे हैं और इस संकट पर भी हम विजय प्राप्त कर पाएंगे, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है। पिछला वर्ष जितना चुनौतीपूर्ण रहा, आने वाला वर्ष उतना ही संभावनाओं और खुशहाली भरा रहे, यही मेरी कामना है।

नव वर्ष के शुभ अवसर पर मैं आप सभी के साथ कासरगोड सौर ऊर्जा प्लांट के कमीशन होने की खुशखबरी को साझा करना चाहता हूँ। कोविड–19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद हम इस परियोजना को पूर्ण कर पाए इसलिए यह उपलब्धि अधिक महत्वपूर्ण है, जिसके लिए इस परियोजना निर्माण तथा संबंधित कार्यों में लगे सभी अधिकारी तथा कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। इस प्लांट की कमीशनिंग के साथ ही हमने सौर ऊर्जा उत्पादन के नए क्षेत्र में प्रवेश कर लिया है तथा भारत सरकार के 2022 तक 175 गीगावाट वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य में अपना योगदान आरम्भ कर दिया है और साथ ही अपनी संस्थापित क्षमता में 50 मेगावाट की वृद्धि के साथ कुल क्षमता को 1587 मेगावाट तक पहुंचा दिया है। भविष्य में इस क्षेत्र में हमें अपने योगदान को और अधिक बढ़ाना है।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के तौर पर आप सभी को यह मेरा अंतिम नव वर्ष सन्देश है किन्तु व्यक्तिगत तौर पर मैं सदैव आपके सुनहरे भविष्य और बेहतर कल की कामना करता रहूँगा। आगामी वर्षों में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड एक कंपनी के तौर पर तथा आप सभी व्यक्तिगत तौर पर लगातार नई ऊँचाइयों को छुएं यही मेरी कामना है। आगामी वर्षों में आप सभी टीएचडीसी के अपने गौरवशाली अतीत को मानक मानकर उससे बेहतर करने हेतु सदैव प्रयासरत रहेंगे, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें तथा कोविड–19 महामारी के संक्रमण की रोकथाम हेतु जारी दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन करते रहें।

जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं।

एक बार पुनः आप सभी को नव वर्ष 2021 की हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिंद !

(डी.वी.सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

एनसीआर कार्यालय, कौशांबी का माननीय संसदीय राजभाषा समिति के द्वारा राजभाषा निरीक्षण

एनसीआर कार्यालय, कौशांबी का माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति के द्वारा 07 दिसंबर, 2020 को एनआरपीसी परिसर , नई दिल्ली में राजभाषा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष, माननीय श्री भर्तृहरि महताब, संसद सदस्य (लोकसभा), दूसरी उपसमिति की संयोजक, माननीय प्रो. रीता बहुगुणा जोशी,संसद सदस्य (लोकसभा), माननीय श्री सुशील कुमार गुप्ता, संसद सदस्य (राज्य सभा), समिति के सचिव, श्री गोपी चंद्र छावनिया एवं अन्य पदाधिकारी निरीक्षण हेतु उपस्थित रहे।

विद्युत मंत्रालय की ओर से श्री राजपाल, आर्थिक सलाहकार एवं श्री अमित प्रकाश, संयुक्त निदेशक (राजभाषा) निरीक्षण में सहयोग करने के लिए उपस्थित हुए। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की ओर से निरीक्षण में सहयोग करने हेतु एनसीआर कार्यालय के कार्यपालक निदेशक, श्री यू.सी. कन्नौजिया, अपर महाप्रबंधक, श्री एस.एम. सिद्दिकी, उप प्रबंधक (कार्मिक/हिंदी), श्री डी.सी. भारती एवं वरि. हिंदी अधिकारी, श्री डी.एस. रावत उपस्थित थे।

कार्यपालक निदेशक, श्री यू. सी. कन्नौजिया ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत कर माननीय समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारियों का स्वागत किया। निरीक्षण से संबंधित दस्तावेजों पर समिति के सदस्यों ने विस्तृत चर्चा की तथा कार्यालय में राजभाषा के कार्यान्वयन पर हर्ष व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन को और बेहतर करने के लिए अनेक सुझाव भी दिए।

50 MW Solar Power Project at Kasargod, Kerala- Commissioned

THDC India Limited's maiden Solar Power Project of 50 MW capacity is situated at Kasargod Solar Park at distt. Kasargod, Kerala. The project got synchronized with the grid and commissioned on 31.12.2020.

Visit of Technical Committee and Commissioning Committee

To enter in the field of Solar Power project, THDC signed an MOU with Solar Energy Corporation of India (SECI) on 13.02.2015 for the development of Solar Power Projects. THDCIL, SECI and Kerala State Electricity Board (KSEB) entered into a Tripartite Agreement on 31.03.2015 for development of 50 MW Solar Photo Voltaic (PV) Power Project at Kasargod District in the State of Kerala wherein SECI being the Project Management Consultant.

On 16.01.2019, a Power Sale Agreement was also signed between THDC and KSEB at Trivendram, Kerala, wherein THDC had agreed to sell power to KSEB and KSEB agreed to purchase the electricity up to the contracted capacity of 50 MW for a period of twenty-five (25) years @ tariff cap of Rs. 3.10 per kWh. The tariff petition is also filed with Kerala State Electricity Regulatory Commission (KSERC) and its final hearing was conducted on 05.01.2021 and decision in this regard is expected shortly.

Visit of THDCIL Officials at the time of Commissioning of Project

A Land Use Agreement and Implementation Agreement was also signed on 07.02.2019 with the Solar Park Developer of Kasargod Solar Park i.e. Renewable Power Corporation of Kerala Limited (RPCKL) by THDCIL at Kasargod, Kerala. The work of 50 MW (AC) Solar PV Power Plant, Kerala was awarded to M/s Tata Power Solar System Ltd., Bangalore for EPC Contract and Comprehensive Operation & Maintenance (O&M) for 10 years on 08.08.2019. The construction of the project started in Sept. 2019. The project work got held up since March 2020 as the entire nation was in lockdown due to COVID-19 pandemic. The main constraint included import of Solar PV modules from China and transportation of materials from other states. Construction of two circuit overhead Transmission Line of 8.5 km from project site at Kommangala to grid substation at Kubanoor was to be done by KSEB. During this phase the project successfully passed through various challenges including, Land availability, Evacuation infrastructure readiness, Accessibility to site for movement of heavy equipment and materials, migration of manpower etc.

Meeting with Hon'ble MLA and Trade Unions for smooth functioning of the project

THDCIL team did its part during this pandemic, distributed masks and created awareness, complied the SOPs issued by GOK & GOI diligently at project site. Under THDCIL management's guidance, consistent efforts, persuasion and continuous support made it possible to got this project commissioned before time and also in the time of Pandemic.

On 30.12.2020, Technical & Commissioning Committee visited the project site and newly constructed transmission line. After the clearance from the Committees, the project got synchronized with the grid and commissioned with the first rays of sun on 31.12.2020. Shri U.C. Kannaujia, Executive Director (NCR), Shri Sanjay Singhal, AGM(Coal,RS,RE) and Shri P. Sudhakar, DGM(Projects) were present on the occasion of commissioning on 31.12.2020.

With the addition of this 50 MW capacity of Solar Project, Solar project is also added to the portfolio of THDCIL. With this commissioning the total operational capacity of THDC India Limited becomes 1587 MW.

CII-ITC Sustainability Award 2020 conferred to THDCIL

On 23rd December 2020, THDC India Limited was conferred 'Commendation for Significant Achievement in Corporate Social Responsibility' for its outstanding achievement in Corporate Social Responsibility by Hon'ble Minister of State for Finance & Corporate Affairs Sh. Anurag Singh Thakur under CII-ITC Sustainability Award 2020 organized by CII-ITC Center of Excellence for Sustainable Development.

THDC India Limited was highly appreciated by the jury and the chief guest for its sincere CSR efforts for implementation of social upliftment and empowerment activities in the rural villages of Tehri Garhwal in convergence with Govt. of Uttarakhand and creating a positive impact on the health and the livelihood opportunities of women farmers through reduced labour cost and enhanced agriculture output.

Sh. Pradeep Kumar Naithani, Addl. General Manager (Social & Environment), on behalf of THDC India Limited, received the award and expressed gratitude for recognizing THDCIL's CSR initiatives on such a reputed platform.

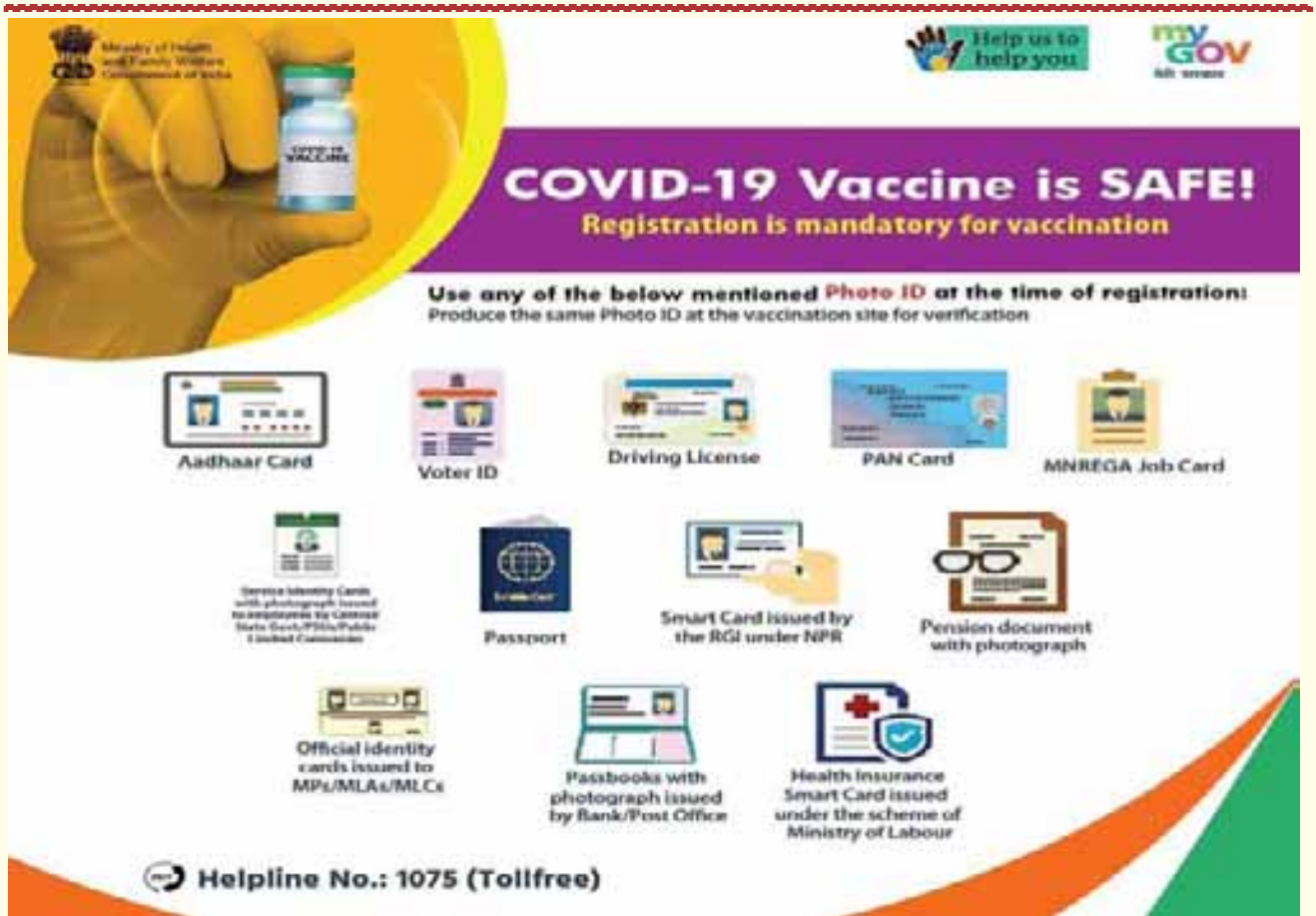

AGREEMENT BETWEEN THDCIL & NTPC

THDCIL has entered into a Contract Agreement with NTPC Ltd. on 27th November 2020 for DPR preparation of 2x600 MW Ultra Mega Renewable Energy Power Parks (UMREPPs) at Jhansi & Lalitpur, Uttar Pradesh.

NTPC shall be tasked with the DPR Preparation of 2x600 MW Ultra Mega Renewable Energy Power Park (UMREPP) in the state of Uttar Pradesh, in pursuance to the MNRE guidelines for development of UMREPP issued vide Memorandum dated 21st March, 2017 & its subsequent amendments.

Contract Agreement was signed at THDCIL's NCR Office, Kaushambi by Shri U.C. Kannaujia, Executive Director (NCR), THDCIL & Sh. J.K. Swamy, Head of Marketing, Consultancy Wing, NTPC Ltd. The Contract Agreement shall enter into force on the date of signature and shall continue to remain in force for a period of six (06) months.

The Contract signing ceremony was also attended by Sh. Shubasis De, GM (Engg-Consutancy), Shri Adesh, GM (C&M-Consultancy), Sh. Kundan Chaudhary, Executive (Marketing-Consultancy) from NTPC Ltd and Mrs Vishalakshi Malan, Dy Manager (Th-D/BDC) & Sh. Manoj Kumar, Senior Engineer (BDC) from THDCIL.

THDCIL Five Teams bagged "Par Excellence Award" in NCQC-2020

NCQC-2020 was conducted online by Quality Circle Federation of India (QCFI) for 2020. The results were announced on 27th December 2020 via a virtual ceremony. Every year hundreds of organizations from public as well as private sector participate in the NCQC.

Total 9 teams from THDCIL participated in NCQC-2020. THDCIL stood apart among various participating organization since 5 out of the 9 teams bagged "Par Excellence Award" which is the highest award in the convention. These 5 teams have become eligible for participation in International Quality Convention 2021. It is to mentioned that for the first time THDCIL QC teams awarded par excellence in Five numbers .These 5 teams are-

1. Chetna 2. Jal Tarang 3. Lakshya 4. Sanjeevani 5. Shakti

Apart from this 2 teams namely Darpan and Jal Shakti bagged Excellence awards and 2 teams Bharat and Punarnava bagged Distinguish award in NCQC-2020.

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में मनाया गया संविधान दिवस

भारत सरकार के निर्देशानुसार कारपोरेट कार्यालय के साथ - साथ सभी परियोजना कार्यालयों में 26 नवंबर, 2020 को संविधान दिवस मनाया गया । उल्लेखनीय है कि संविधान सभा द्वारा निर्मित संविधान को 26 नवंबर, 1949 को अपनाया गया था। भारत सरकार द्वारा 2015 में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा की गई थी।

ऋषिकेश

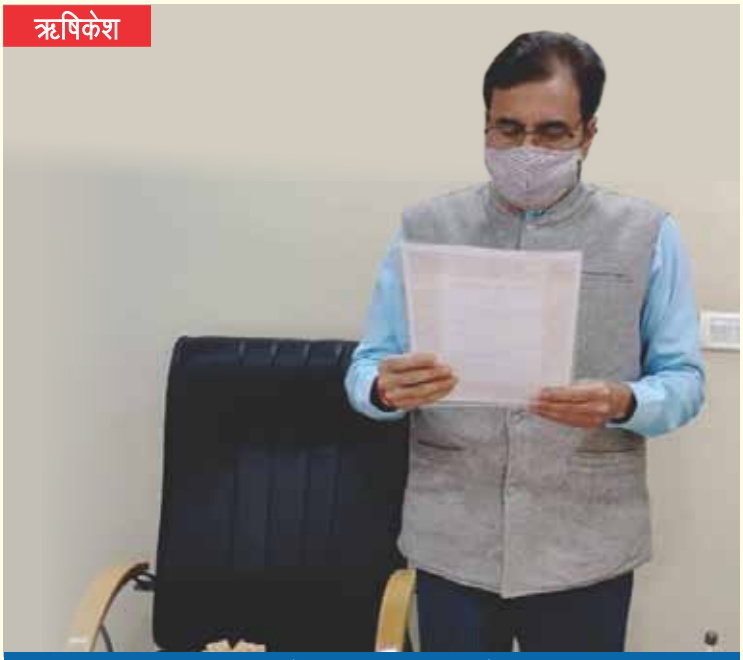

संविधान की प्रस्तावना पढ़ते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री डी.वी. सिंह

नोवल कोरोनावायरस (कोविड–19) के दृष्टिगत कारपोरेट कार्यालय में सभी विभागाध्यक्षों द्वारा अपने अधीनस्थ कार्मिकों के साथ सामाजिक दूरी का पालन करते हुए संविधान की प्रस्तावना (Preamble) सामूहिक रूप से पढ़ी गई।

अपने अधीनस्थ कार्मिकों के साथ सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना पढ़ते हुए उप महाप्रबंधक, डॉ. ए. एन. त्रिपाठी

टिहरी

कार्यपालक निदेशक (टी.सी.), श्री वी.के. बडोनी एवं विभागाध्यक्षों द्वारा अपने अधीनस्थ कार्मिकों के साथ सामाजिक दूरी का पालन करते हुए सामूहिक रूप से प्रस्तावना पढ़ी गई।

कोटेश्वर

महाप्रबंधक (परियोजना), श्री यू. के. सक्सेना ने सामाजिक दूरी का पालन करते हुए परियोजना के समस्त विभागाध्यक्षों को संविधान दिवस की शपथ दिलाई ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

केंद्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार के निर्देशानुसार कारपोरेट कार्यालय के साथ–साथ सभी परियोजनाओं एवं इकाइयों के कार्यालयों में 27 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। कोविड–19 महामारी के संक्रमण की रोकथाम हेतु जारी दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए सामाजिक दूरी के साथ कारपोरेशन के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों के द्वारा अपने अधीनस्थ कार्यरत कार्मिकों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर इस बार की थीम **"सतर्क भारत, समृद्ध भारत"** पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

ऋषिकेश अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री डी.वी. सिंह द्वारा 27 अक्टूबर, 2020 को गंगा भवन प्रांगण में ई– माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण समारोह में निदेशक (कार्मिक), श्री विजय गोयल, निदेशक (वित्त), श्री जे. बेहेरा, निदेशक (तकनीकी), श्री आर.के. विश्नोई व मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री बी.पी. गुप्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री डी.वी. सिंह द्वारा सतर्कता विभाग की पुस्तिका "Be Informed, Be Vigilant" का विमोचन भी ई–माध्यम द्वारा किया गया। लांच करने के पश्चात ई–पुस्तिका Whats App एवं अन्य माध्यमों से साझा की गई।

सप्ताह के दौरान कारपोरेट कार्यालय में विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वहीं 02 नवम्बर, 2020 को समापन समारोह में सीमित संख्या में उपस्थित कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि निदेशक (कार्मिक), श्री विजय गोयल ने कहा कि सभी कर्मचारी अपने कार्य ईमानदारी एवं निष्ठा से करते हुए स्वयं भी सतर्क रहे तथा दूसरों को भी सतर्क करें। ऑनलाइन आयोजित की गई प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया।

टिहरी

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर कार्यपालक निदेशक (टी.सी.), श्री वी.के. बडोनी द्वारा सभी विभागाध्यक्षों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई एवं इस दौरान आयोजित की गई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया

कोटेश्वर

श्री यू. के. सक्सेना, महाप्रबंधक (परियोजना) प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए

पीपलकोटी

श्री पी.के. अग्रवाल, अपर महाप्रबंधक ने भ्रष्टाचार उन्मूलन की शपथ दिलाकर सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ किया

उल्लेखनीय है कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह प्रत्येक वर्ष उस सप्ताह के दौरान मनाया जाता है जिसमें सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मदिन (31 अक्टूबर) आता है। नागरिक भागीदारी के माध्यम से सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने के लिए यह जागरूकता सप्ताह हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

ऋषिकेश

ऋषिकेश में दुर्गा पूजा का सादगी से आयोजन

प्रगतिपुरम सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में दुर्गा पूजा का आयोजन आराधना भवन में किया गया। इस अवसर पर कोविड–19 की रोकथाम हेतु जारी दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए सामाजिक दूरी के साथ दुर्गा पूजा का आयोजन सादगी से किया गया।

टिहरी एवं कोटेश्वर में हरियाली पूजा का आयोजन सादगी से किया गया

टिहरी

टिहरी बाँध दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में टिहरी के बहुउद्देशीय भवन में नवरात्रि के शुभ अवसर पर हरियाली पूजन कार्यक्रम का आयोजन कोविड–19 की रोकथाम हेतु जारी दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए सामाजिक दूरी के साथ 17 अक्टूबर, 2020 से 25 अक्टूबर, 2020 तक सादगी से आयोजित किया गया। हरियाली पूजन का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक (टी.सी.), श्री वी. के. बडोनी एवं श्रीमती अनुराधा बडोनी के कर कमलों द्वारा कलश स्थापना कर किया गया।

कोटेश्वर

श्री यू. के. सक्सेना, महाप्रबंधक (परियोजना), श्रीमती रेनू सक्सेना, श्री बी. के. सिन्हा, उप महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) ने नवरात्रि के शुभ अवसर पर आवासीय परिसर में स्थित शिव मंदिर में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ हरियाली और दुर्गा पूजा का आयोजन 17 अक्टूबर, 2020 को कलश स्थापना के साथ किया गया।

कोटेश्वर परियोजना में कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया

भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में कोटेश्वर परियोजना के कार्यालयों, बाँध एवं पावर हाउस, अतिथि गृह तथा सार्वजनिक स्थलों में कोविड–19 संक्रमण से बचाव हेतु जन जागरूकता अभियान चलाया गया जिसके तहत बैनर, पोस्टर आदि लगाए गए। समस्त विभागाध्यक्षों ने अपने कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों से अनुरोध किया कि सार्वजनिक स्थलों पर मास्क पहनने, दूसरों से कम से कम दो गज की दूरी बनाएं रखने, अपने हाथों को नियमित साबुन से धोने एवं नियमित अंतराल पर सेनेटाईजर का उपयोग करने का संकल्प लेकर कार्य करें।

टिहरी बाँध परियोजना - विकास एवं समृद्धि का केंद्र

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
उप महाप्रबंधक (जनसंपर्क)
व संपादक

गौरव कुमार
प्रबंधक (जनसंपर्क)
व उप संपादक

सिद्धार्थ कौशिक
उप प्रबंधक (ओ एंड एम)
कोटेश्वर

गंगावतरणम् की पौराणिक कथा एक ऐसी अद्भुत घटना है जो ईश्वरीय सहयोग के बिना संभव ही नहीं हो सकती थी। पौराणिक विवरणों के अनुसार भगवान श्री विष्णु के श्री चरणों से निकलने वाली स्वर्ग में प्रवाहित होने वाली गंगा, प्रभु श्री राम के पूर्वज महाराज भगीरथ के अथक प्रयासों तथा अभूतपूर्व तपस्या एवं साधना के पश्चात मृत्युलोक वासियों तथा मुख्यतः महाराज सगर के साठ हजार पुत्रों के उद्धार हेतु पृथ्वी पर अवतरित होने को तैयार हुई थी। त्याग–मूर्ति, पतित पावनी, माता गंगा जब पृथ्वी पर अवतरित हुई तो उनके प्रचंड प्रवाह एवं वेग से पृथ्वी के समस्त जीवों के नष्ट हो जाने का भय चहुं ओर व्याप्त हो गया था। ऐसे में महादेव ने अपनी जटाओं में माँ गंगा को बाँध कर उन्हें जन कल्याण को सिद्ध करने लायक बनाया। इस महत्वपूर्ण कथा से एक अति महत्वपूर्ण सन्देश प्राप्त होता है कि विनाश लाने की क्षमता रखने वाली ऊर्जा को बाँध सकने से उस विनाशकारी ऊर्जा को कल्याणकारी ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है।

टिहरी बाँध परियोजना इस परिप्रेक्ष्य में महादेव की भूमिका में दृष्टिगोचर होती है। CII की गणनाओं के अनुसार वर्ष 1950–51 में भारत का सकल घरेलु उत्पाद 2939 अरब था जो कि वर्ष 2018–19 में बढ़कर 140776 अरब हो गया। पुनः देश के नागरिकों की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 1950–51 में 7513 रूपए प्रति वर्ष से बढ़कर वर्ष 2018–19 में 92565 रूपए हो गयी। यह आंकड़ें अपने आप में विकास की कथा कहने का प्रयास कर रहे हैं। इस विकास गाथा में टिहरी बाँध परियोजना ने देश के विकास प्रयाण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। देश की आर्थिक विमाओं में ऊर्जा, बाढ़ नियंत्रण, पेयजल व्यवस्था, पर्यावरणीय संतुलन, सिंचाई, पर्यटन तथा आस्था एवं विश्वास तथा रोजगार सृजन ऐसी महत्वपूर्ण विमाएं हैं जिनकी डोरे थामकर टिहरी बाँध परियोजना विकास के एक क्षेत्र का पूरी बेबाकी के साथ संचालन कर रही है।

टिहरी परियोजना 2400 मेगावाट की विद्युत उत्पादन क्षमता वाली एक बहुद्देशीय परियोजना है। इस परियोजना में 1000 मेगावाट की टिहरी जलविद्युत परियोजना, 400 मेगावाट की कोटेश्वर जलविद्युत परियोजना तथा 1000 मेगावाट की टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना सम्मिलित है। पूरी तरह बन जाने पर यह परियोजना 2400 मेगावाट की पीकिंग पावर की आवश्यकता को पूर्ण कर पाएगी। इसके साथ ही डाउनस्ट्रीम परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 200 मिलियन यूनिट विद्युत का प्रतिवर्ष उत्पादन भी टिहरी परियोजना के सहयोग से हो रहा है। इतना ही नहीं गंगा के किनारे स्थापित अनेकों ताप–बिजली परियोजनाओं को आवश्यक जल भी गंगा नदी से ही प्राप्त होता है।

बाढ़ नियंत्रण के क्षेत्र में टिहरी परियोजना ने अपनी महत्ता जून, 2013 में सिद्ध कर दी है। टिहरी झील

में प्रतिवर्ष मानसून के समय होने वाली वर्षा के कारण आने वाले लगभग 2.6 अरब घन मीटर जल के संचयन की अभूतपूर्व क्षमता है। 16–18 जून, 2013 को जब भागीरथी का प्रवाह 2,62,500 क्यूसेक पहुँच गया था तो टिहरी बाँध से मात्र 14,000 क्यूसेक जल ही निचली धारा में छोड़ा गया था। दो दिन में टिहरी झील के जलस्तर में 25 मी. से अधिक की वृद्धि हो गयी थी। यदि टिहरी बाँध नही होता तो हरिद्वार में गंगा–प्रवाह लगभग 7,70,000 क्यूसेक पहुँच जाता और गंगा का जलस्तर, जो पहले ही से 295.90 के खतरनाक स्तर पर पहुँच गया था, 2.5 से 3.0 मी. और ऊपर पहुँच जाता। ऐसे भयानक जल स्तर से पूरे हरिद्वार सहित निचली धारा में और कितना विनाश होता, यह अकल्पनीय नहीं है। इस भयानक आपदा में 5000 से भी अधिक लोगों की मृत्यु हुई और हजारों लोग बेघर और असहाय हो गए थे, टिहरी बाँध परियोजना यदि नहीं होती तो ऐसी भयावह कल्पना करते हुए भी हृदय कांप जाता है।

टिहरी परियोजना के माध्यम ही से दिल्ली के लिए प्रतिदिन लगभग 300 क्यूसेक पेयजल की आपूर्ति की जाती है। इस आपूर्ति से लगभग 40 लाख लोगों के लिए पेयजल की व्यवस्था होती है। इतना ही नहीं प्रतिदिन उत्तर प्रदेश के 30 लाख से अधिक लोगों के लिए 300 क्यूसेक पेयजल की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाती है।

टिहरी परियोजना भागीरथी नदी घाटी तथा देवप्रयाग से नीचे गंगा नदी घाटी में पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने हेतु आवश्यक न्यूनतम प्रवाह बनाए रखने में भी परम लाभकारी सिद्ध हुई है। इसी प्रतिबद्धता एवं नियमों के अनुपालन में कम वर्षा वाले वर्षों में भी टिहरी बाँध परियोजना के कारण ही गंगा–स्वास्थ्य बनाए रखने में महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त होती है।

उत्तर के मैदानी भागों में गंगा नदी जीवन धारा बनकर प्रवाहित होती है। गंगा नदी को निरंतर पयस्विनी बनाए रखते हुए टिहरी बाँध परियोजना निचली धारा क्षेत्रों तथा गंगा–यमुना दोआब से लेकर गंगासागर तक रबी, खरीफ व जायद की फसलों हेतु आवश्यक सिंचाई जल की भरपूर उपलब्धता सुनिश्चित करती है।

उत्तरकाशी से लेकर ऋषिकेश तक एडवेंचर स्पोर्ट गतिविधियाँ टिहरी बाँध परियोजना की उपस्थिति में प्रतिवर्ष सुचारू रूपेण संपन्न होती हैं। इतना ही नहीं राष्ट्रीय जलमार्ग–1 जो प्रयागराज से हल्दिया तक लगभग 1680 किमी. लंबा है, में भी टिहरी बाँध का सहयोग प्रत्यक्ष रूप से दृष्टिगोचर होता है।

देश में हरिद्वार की हर की पौड़ी, प्रयागराज व बनारस के घाट करोड़ों लोगों की आस्था एवं विश्वास के प्रतीक हैं। प्रतिमाह आने वाली अमावस्याओं एवं पूर्णिमाओं के अतिरिक्त कुंभ, महाकुंभ, मकर संक्रांति तथा गंगा दशहरा जैसे अनेकों ऐसे अवसर आते हैं जब गंगा में करोड़ों लोग डुबकी लगाते हैं। चाहे किसी वर्ष वर्षा सही मात्रा में हो या न हो परंतु ऐसे अवसरों पर गंगा नदी में भरपूर जल–प्रवाह की परम आवश्यकता होती है जिसकी आपूर्ति टिहरी जलाशय से वर्षा ऋतु में एकत्रित अतिरिक्त मात्रा में जल छोड़कर पूर्ण की जाती है। ऐसे में टिहरी परियोजना के होने से ऐसा सुनिश्चित हो पाता है कि करोड़ों लोग अपने विश्वास एवं आस्था के अनुरूप मन की संतुष्टि प्राप्त कर सकें।

गंगा नदी को एक जीवित नदी का दर्जा प्राप्त है। यह नदी भारत की प्राण रेखा है। गंगा का नाम आते ही मन में आस्था, श्रद्धा, विश्वास, विकास, जीवन एवं पर्यावरण जैसे शब्द स्वतः ही जीवंत होने लगते हैं तथा इस जीवित नदी की जीवन्तता को बनाए रखने में टिहरी बाँध परियोजना अनुपमेय भूमिका निभाती हुई दिखाई देती है।

वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव हेतु शपथ

टिहरी

कोविड–19 वैश्विक महामारी संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव हेतु माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देशभर में जन जागरुकता अभियान के तहत 14 अक्टूबर, 2020 को टिहरी यूनिट में कार्यपालक निदेशक (टी.सी.), श्री वी.के. बडोनी ने कार्यालय प्रांगण में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए सभी विभागाध्यक्षों को कोविड–19 संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव हेतु शपथ दिलाई। इसके पश्चात सभी विभागाध्यक्षों द्वारा अपने अधीनस्थ सभी कार्मिकों को शपथ दिलाई गई। अपने संबोधन में कार्यपालक निदेशक ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस वैश्विक महामारी के फैलाव को गंभीरता से लेते हुए भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए, इसके बचाव और रोकथाम के उपायों का पालन करना है, साथ ही इस महामारी के बचाव हेतु जन–जागरुकता कर अपनी भागीदारी अदा करनी है।

कोटेश्वर

श्री यू. के. सक्सेना, महाप्रबंधक (परियोजना) ने सोशल डिस्टेंसिंग के साथ परियोजना के समस्त विभागाध्यक्षों को कोरोनावायरस कोविड–19 संक्रमण से बचाव हेतु जागरूकता की शपथ दिलाई। समस्त विभागाध्यक्षों ने सार्वजनिक स्थलों पर मास्क पहनने, दूसरों से कम से कम दो गज की दूरी बनाएं रखने, अपने हाथों को नियमित रूप से साबुन से धोने एवं नियमित अंतराल पर सेनेटाईजर का उपयोग करने का संकल्प लिया।

महाप्रबंधक ने सभी विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया कि अपने–अपने विभागों में कार्यरत कर्मचारियों से कार्य स्थलों एवं अपने परिवार के साथ इस संकल्प का अनुपालन अवश्य ही करवायां जाए।

"जब तक कोई दवाई नहीं, तब तक कोई ढिलाई नहीं"

टिहरी में आधुनिक रूप से सुसज्जित बाल उद्यान का उद्घाटन

टिहरी के भागीरथीपुरम में नव निर्मित बाल उद्यान का निर्माण किया गया है। 16 दिसम्बर, 2020 को कार्यपालक निदेशक (टी.सी.), श्री वी. के. बडोनी के कर कमलों द्वारा आधुनिक रूप से सुसज्जित बाल उद्यान का उद्घाटन किया गया। साथ ही इस बाल उद्यान में निर्मित कृत्रिम झरने का उद्घाटन श्री सजीव आर, महाप्रबंधक (ओ. एंड एम./विद्युत) द्वारा किया गया। इस बाल उद्यान की विशेष बात यह है कि इसमें फव्वारा, कृत्रिम झरना, क्रीड़ा कक्ष, संगीत कक्ष, ओपन जिम, स्केटिंग रिंग, कॉफी हाउस आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध है। उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में कार्यपालक निदेशक ने कहा कि यह उद्यान टीएचडीसी परिवार के

सदस्यों को समर्पित है। टीएचडीसी परिवार के बच्चों को सभी सुविधाओं से लैस इस पार्क का भरपूर उपयोग करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि इस उद्यान का रख रखाव करना भी हम सभी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। उन्होने कहा कि टीएचडीसी परिवार के सदस्यों के बच्चों को इस पार्क में स्थापित उपकरणों को उपयोग में लाना है जिससे कि बच्चे अपने शरीर

को विकसित करें एवं अपनी प्रतिभा में निखार लाएं।

श्री बडोनी द्वारा इस अवसर पर पार्क के निर्माण में अहम भागीदारी निभाने वाले कार्मिकों को भी सम्मानित किया गया।

Training Programme on Communication Enhancement Skills

A 02 day Virtual Training Programme on "Communication Enhancement Skills" was organised from 14th to 15th October,2020 through Dr. Vidhu Gaur , Asstt. Professor & Chair-Business Communication, MDI , Gurgaon. The objective of the Programme was to enable participants to understand the essentials of the Communication process, identify potential communication problems, construct productive approaches to Communication and develop strategies to enhance communication skills .

Training Programme on Amendments in Income Tax Act, Company Act & Other Allied Laws

With a view to provide the brief of changes in Income Tax Act, Company Act & Other Allied Laws and also to provide the reasonable interpretation of legislature & guidance on same, Virtual training Programme on "Amendments in Income Tax Act, Company Act & Other Allied Laws " was organized from 20th-21st Oct-2020 for 26 Executives from Finance & CS Discipline.

Vigilance Awareness Programme

Vigilance Awareness Week was observed from 27th October-02nd November,2020 with the theme " SATARAK BHARAT, SAMRIDDH BHARAT" (Vigilant India, Prosperous India) . As a part of Vigilance sensitisation Programme, an online Training Session on Preventive Vigilance was conducted on 29th Oct. 2020 by Corporate HRD through O. P. Jindal Global University, Sonipat. Sh. B. K. Mitra , Ex-CVO , Oriental Bank of Commerce was speaker of the Programme.

Training Programme on Auto CAD

To acquaint and upgrade our technical human capital with latest drafting tools, training Programme on AutoCAD was organized from 2nd-6th Nov, 2020 in Online mode.

Programme was organized through CP CADD & MULTIMEDIA CENTRE, New Delhi & total 25 Executives attended the Programme.

Cyber Security & Digital Forensic Tools

The role of cyber security in an organization is vital for the protection of its data and for ensuring that its services and projects will keep running without obstacles or delays. Considering the importance of the subject, Training Programme on Cyber Security Exclusively for IT Personnel was organized through , Engineering Staff College of India, Hyderabad through Virtual Mode from 2nd to 6th Nov, 2020. Total of 27 Executives attended the Programme.

Training Programme on CERC Regulations & Electricity Act

To acquaint participants with latest CERC Regulations, Electricity Act and Latest trends in Power Sector , an online training Programme on CERC Regulations & Electricity Act was organised from 19th -20th Nov,2020 through Central Board of Irrigation and Power , Delhi. Sh Raj Singh Niranjan, an Energy Law Expert & Managing Partner, Trans India Law Associates and Sh. Partha Sen, Deputy Chief (F), CERC were faculty members of the Programme. Total 31 Executives attended the Programme.

Workshop on Project Management Competence Development

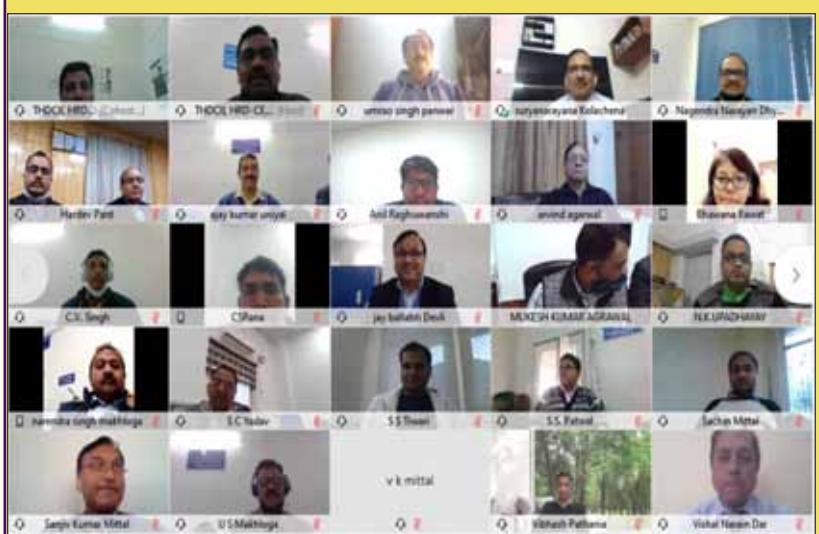

The Project management is the discipline of initiating, planning, executing, controlling, and closing the work of a team to achieve specific goals and meet specific success criteria. The primary challenge of project management is to achieve all of the project goals within the given constraints. Considering the importance of the subject, Workshop on Project Management was organized from 24th-27th Nov, 2020 for 27 Executives through Project Management Associates (PMA), India

Sensitization Session on PCMM

People Capability Maturity Model (People – CMM) focuses on continuously improving the Management and Development of the Human assets of an organization. It describe an evolutionary improvement path from an ad- hoc, inconsistently performed practices, to a matured, disciplined, and continuously improving development of the knowledge, skills, and process abilities that motivate the workforce and enhances strategic business performance.

It also enables to be Employer of Choice/Best Practices. There are Five Levels of PCMM which are: Level 1-Initial, Level 2 – Managed, Level 3- Defined, Level 4- Predictable, Level 5- Optimizing.

THDCIL has been declared at Maturity Level 4 (Predictable) in line with PCMM guidelines which adds another feather in the cap of THDCIL. With a view to strengthen the PCMM practice across the Organization, a Sensitization Session on PCMM was organized in online mode for the HoPs & HoDs of Rishikesh, Tehri, Koteshwar, Pipalkoti, NCR Office & Khurja.

Session on 18/12/2020 was facilitated by Sh. D. Mani, GM (HRD) and witnessed the participation from all the Units.

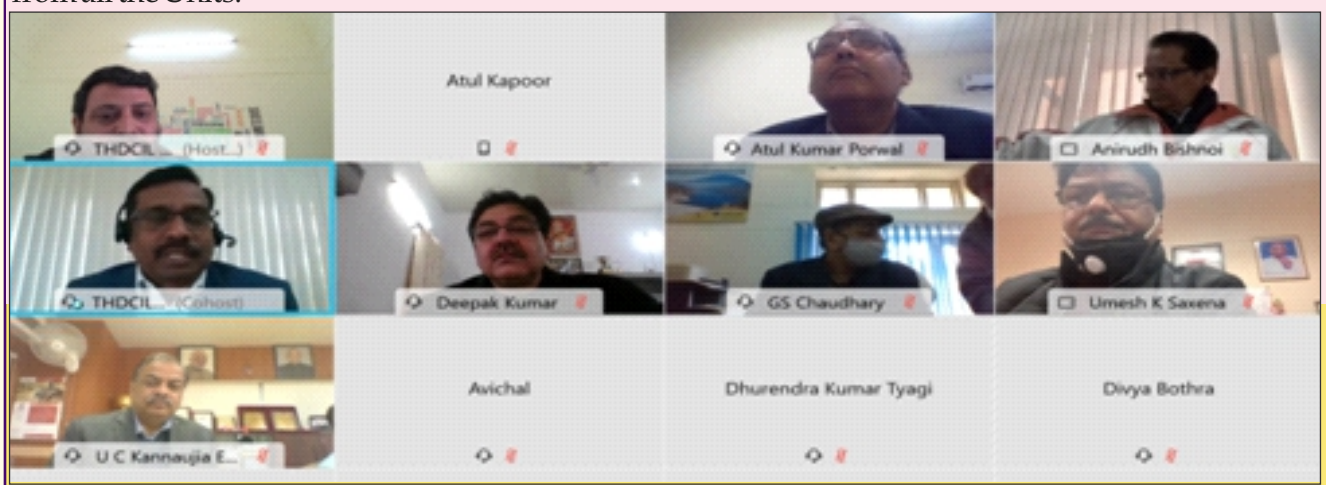

Training Programme on Risk Management

Risk Management or Enterprise Risk Management (ERM) is relatively new management discipline that calls for corporations to identify all the risks they face, to decide which risks to manage actively, and then to make that plan of action available to all stakeholders (not simply shareholders). Considering the relevance of this new management discipline in growth of organisation in this era of fierce competition, training Programme on "Risk Analysis & Management" was organized through ISTD, Dehradun chapter from 21st-22nd Dec, 2020.

Programme was facilitated by a mix of Academician and Practicing Professionals. Total 24 Executives attended the Programme.

लेडीज वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा जरूरतमंदों को कंबल, राशन तथा मास्क आदि वितरित किया गया

टीएचडीसी लेडीज वेलफेयर एसोसिएशन की मुख्य संरक्षिका श्रीमती सुनीता सिंह, श्रीमती मुदिता गोयल, श्रीमती सागरिका बेहेरा एवं श्रीमती चंचल विश्नोई की प्रेरणा से 4 दिसंबर, 2020 को "नर सेवा ही नारायण सेवा है", के भाव से श्री रघुनाथ मंदिर, त्रिवेणी घाट पर महिला क्लब की सदस्याओं श्रीमती रेनु जैन, श्रीमती प्रतिभा सिंह, श्रीमती सुरभि गोस्वामी व श्रीमती कमला रावत ने कैम्प लगाकर जरूरतमंदों को कंबल, राशन तथा मास्क आदि वितरित किए।

ऋषिकेश

सादगी से मनाया गया करवा चौथ त्यौहार

4 नवम्बर, 2020 को पूजा एवं कथावाचन के साथ ही करवा चौथ का त्यौहार सादगी से मनाया गया।

ऋषिकेश

आराधना भवन में प्रथम नवरात्रि को माँ दुर्गा की पूजा का सादगी से आयोजन

ऋषिकेश

17 अक्टूबर, 2020 को टीएचडीसी परिवार के उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए आराधना भवन में प्रथम नवरात्रि को माँ दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया।

बाल दिवस

टीएचडीसी वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश ने 14 नवंबर 2020 को बाल दिवस मनाया। टीएचडीसी परिवार के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का आनलाइन प्रदर्शन किया जिन्हें क्लब की ओर से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर "अपनी पाठशाला" के बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया।

Slogan/Phrase Competition under the aegis of Social Media Center

On the occasion of "Amrut Utsav" i.e. 75th year of India's Independence, Social Media Centre, THDCIL organized a Competition wherein employees suggested Catchy Slogans/Phrases covering the following :

1) India's growth story
2) People's involvement in 75 years of journey
3) Focus on Number 75 or its multiples
4) Achievements in Power Sector
5) Upliftment of social status of Indians due to extraordinary energy growth
6) Journey of hydro sector and its contribution in making India an Energy Surplus country

The last date of submission of Slogans/Phrases was 20th Dec 2020. The details of prizes are as under Ist Prize- Cash Prize (Rs. 7,000/-). IInd Prize- Cash Prize (Rs. 5,000/-), IIIrd Prize- Cash Prize (Rs. 3,000/-) and 05 nos consolation prizes.(Rs.1,000/- each).

Siddhartha Kaushik
Dy. Manager(O&M), KHEP
Ist Prize

एक देश एक तार
बहती बिजली मिलते विचार

Shiv Raj Chauhan
Dy. GM, CMD Sectt., Rishikesh
IInd Prize

हर घर बिजली, हर घर शिक्षा।
हर घर सड़क, दूर होगी निशा।

Rohit Joshi
SPO, D(P), Sectt., Kaushambi
IIIrd Prize

निरन्तर उन्नति के रथ पर अग्रसर
उद्देश्य चार,
1. आत्म निर्भर भारत,
2. सबका साथ सबका विकास,
3. शांति और सौहार्द
4. सभी धर्मो का आदर सत्कार

Udit Tewari
Dy. Manager (O&M), KHEP
Consolation Prize

आजादी के 75 सालों में
पनबिजली के
स्रोतो को 90 गुणा
(508 MW to 45700 MW)
बढ़ाया है, अक्षय ऊर्जा के
क्षेत्र में भारत को
उत्तम बनाया है।

Sudesh Gora
Sr. Engineer, Khurja
Consolation Prize

Powerful India...
Progressive India...

Sachin Mittal
Manager(CP), Rishikesh
Consolation Prize

Aviral Dhara...
Roshan Bharat Humara...

Ravi Budhlakoti
Dy. Manager(IE), Rishikesh
Consolation Prize

उज्जवल भारत... ऊर्जावान भारत...

Vibhash Pathania
Manager(Civil),Rishikesh
Consolation Prize

समर्थ भारत... समृद्ध भारत...

A Running Shield viz. "Proactive Project" has been awarded to Koteshwar HEP for proactive participation in this Annual Social Media Contest.

SOCIAL MEDIA SURVEY

- By Social Media Center, Rishikesh

Topic :- Role of Social Media Interventions in Employee Engagement @ THDCIL

Total Population: 1747

3.72 % of Population

Sample : 65

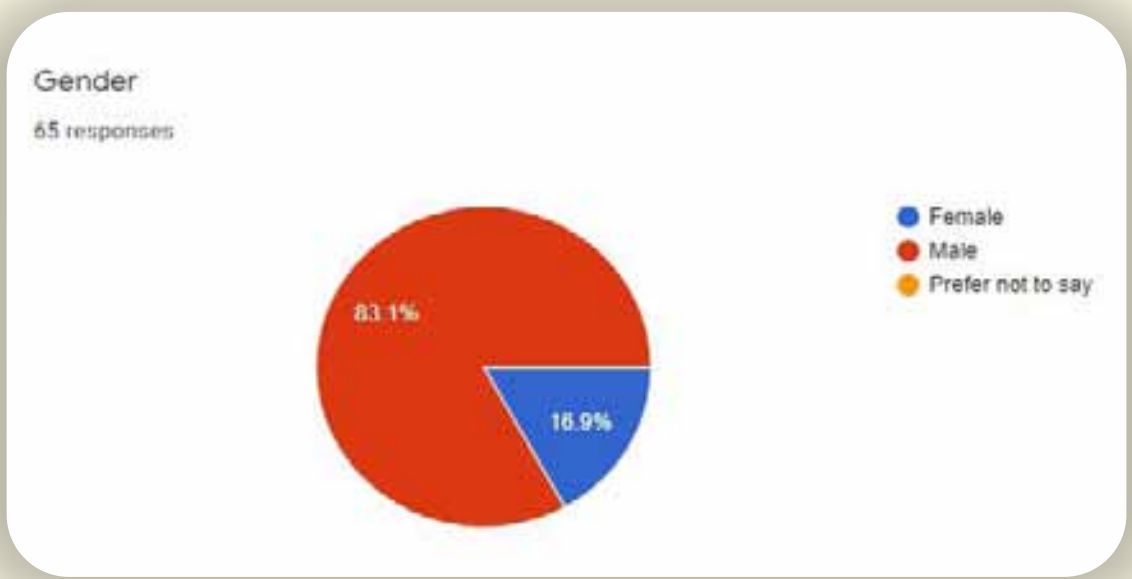

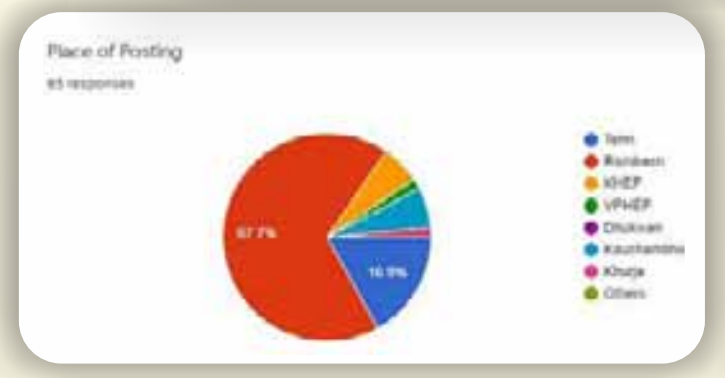

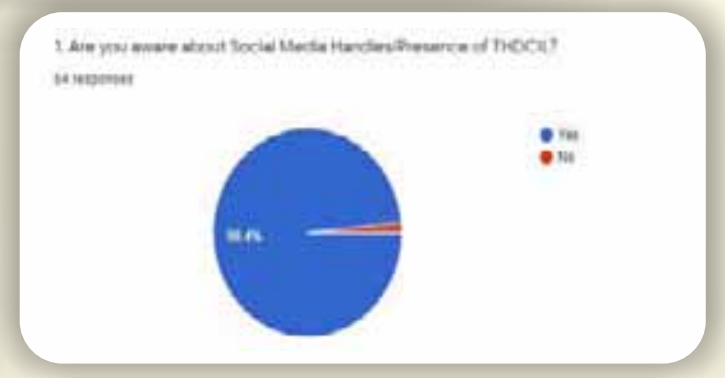

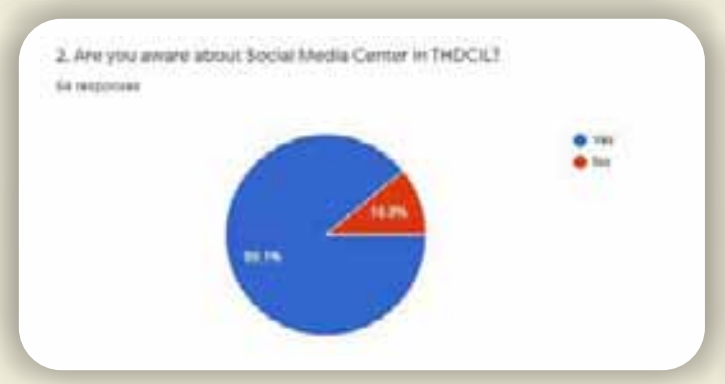

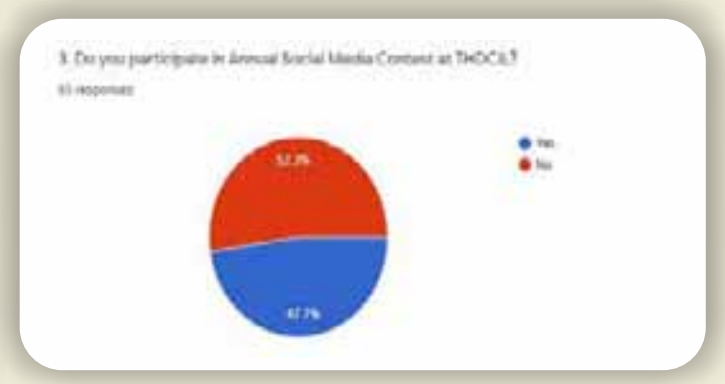

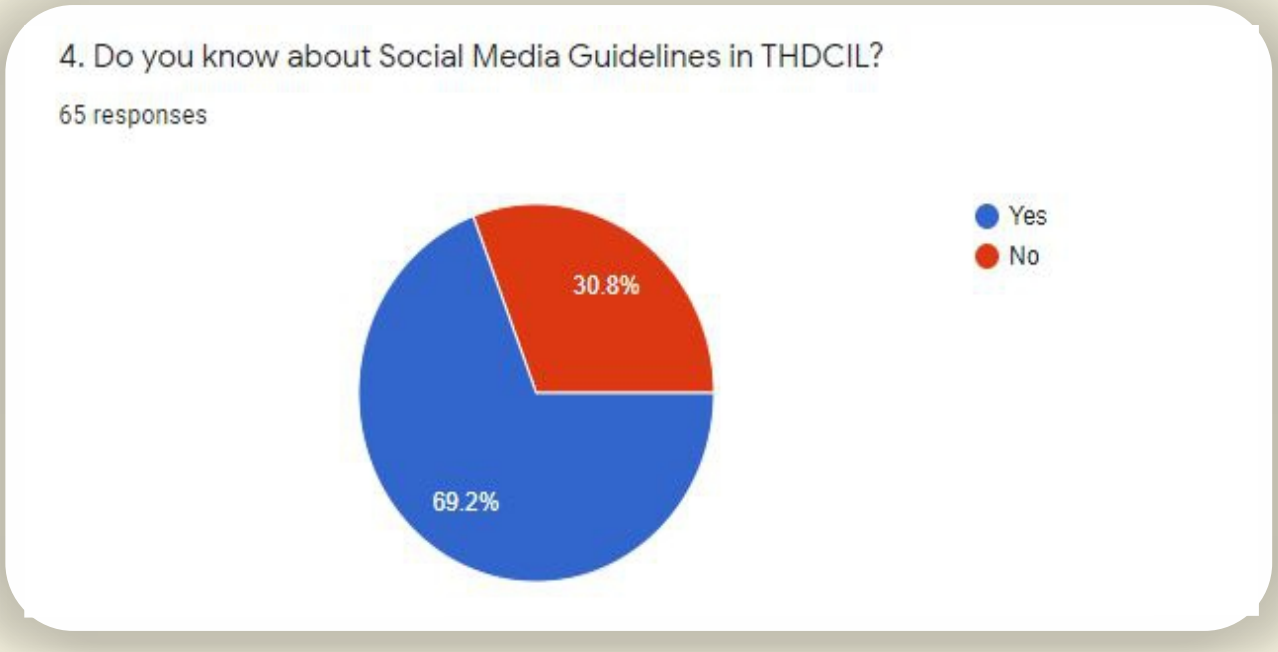

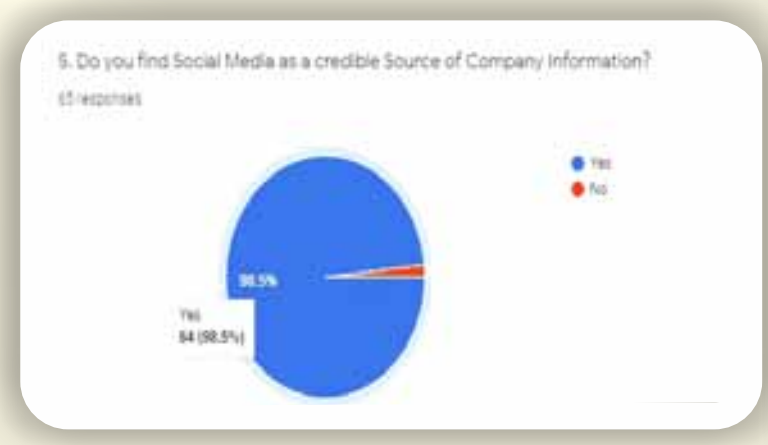

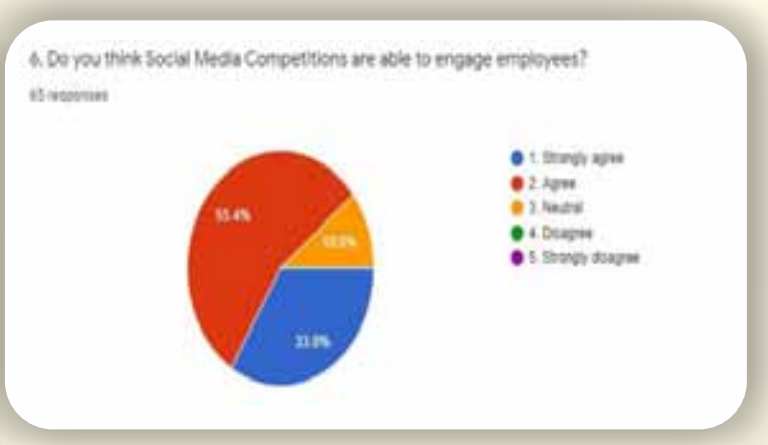

4. Do you know about Social Media Guidelines in THDCIL?
65 responses
Yes
No
30.8%
69.2%

5. Do you find Social Media as a credible Source of Company Information?
Yes
No

6. Do you think Social Media Competitions are able to engage employees?
1. Strongly agree
2. Agree
3. Neutral
4. Disagree
5. Strongly disagree

8. Social Media Presence help in corporate branding.
1. Strongly agree
2. Agree
3. Neutral
4. Disagree
5. Strongly disagree

9. Do you think Social Media helps in employee branding.
1. Strongly agree
2. Agree
3. Neutral
4. Disagree
5. Strongly disagree
41.5%
44.6%

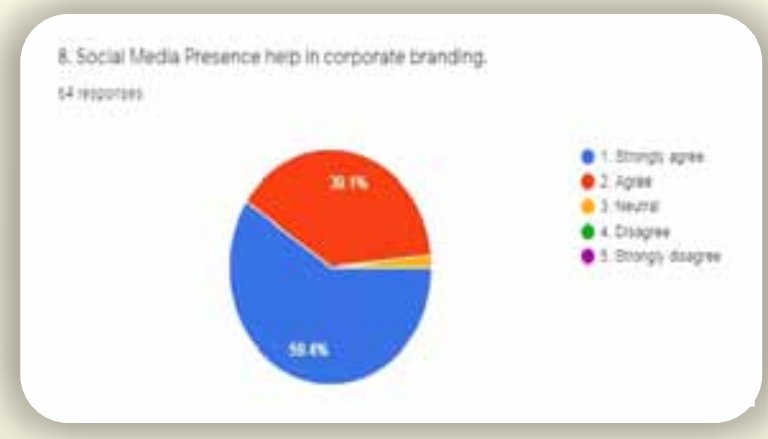

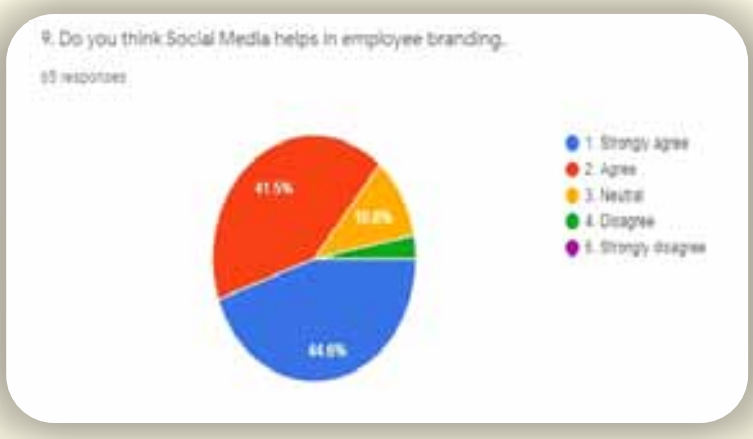

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामानाएं

Sh. MUHAR MANI, ED(OMS), Rishikesh
Date of Retirement: 31.12.2020

Shri Muhar Mani graduated in Electrical Engineering in 1982 from HBTI Kanpur. He started his career with BHEL in September 1983 as ET Corporate Quality Assurance. He joined THDCIL in April'91 as Dy Manager and helped establishing the newly formed Quality Assurance & Inspection Deptt. He remained in QA&I Deptt for about 5 years before he was shifted to Design Deptt. He worked for about 11 years in Design Deptt and contributed immensely in the formation of Technical Specifications & Tender Documents of EM Works of 2400 MW Tehri Hydro Power Complex and 444 MW VPHEP. He was extensively involved inTehri HPP right from complex Model Testing of Tehri Turbine to E&C stage of Project. He successfully represented Company as a Testing & Commissioning Engineer in the team of Engineers & Experts of HPI Moscow, Power Machines Russia, Alstom Germany and BHEL. He greatly contributed in the revival of EM Works of Koteshwar HEP when Project was unandated. He served at Tehri HPP for about 6 and half years in capacities of AGM (O&M) to GM (Tehri Stage-1) and took up several works of upgradation & modernization at Tehri Plant. Subsequently, he was transferred to OMS, QA and Safety Deptt at Corporate Office in 2018 and very effectively co-ordinated & managed trouble free of operation of running Plants until his superannuation on 31/12/2020.

श्री डी. पी. जोशी
वरिष्ठ प्रबंधक
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति : 30.11.2020

श्री दिलीप सिंह पंवार
उप अधिकारी
गाजियाबाद
सेवानिवृत्ति : 31.10.2020

श्री एस. पी. थपलियाल
उप अधिकारी
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति : 31.12.2020

श्रीमती ज्योति तोमर
उप अधिकारी
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 30.11.2020

श्री रमेश चंद तिवारी
उप अभियंता
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 31.07.2020

श्री अरूण कुमार
वरिष्ठ कार्य सहायक
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 31.12.2020

श्री प्रेम सिंह पटेल
सीनियर कुक
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति : 31.12.2020

श्रीमती सोना देवी गुंसाई
परिचारक
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 31.12.2020

श्री कुंवर सिंह राणा
हेल्पर
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 31.10.2020

श्रीमती कृष्णा देवी
सफाई कर्मचारी
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 31.12.2020

"शोक संवेदना"

श्री रती राम जोशी
सीनियर ऑपरेटर
ऋषिकेश
निधन – 03.10.2020

श्री यशपाल सिंह नेगी
उप अधिकारी
टिहरी
निधन – 07.10.2020

श्री योगेश शाह
कनिष्ठ कार्यपालक
टिहरी
निधन – 07.11.2020

श्री मणी शंकर
लेखा अधिकारी
ऋषिकेश
निधन – 08.11.2020

मास्क का प्रयोग करें

"दवाई भी... कड़ाई भी..."

साबुन से हाथ धोयें या सैनेटाइजर का प्रयोग करें

हाइड्रो पॉवर से आगे....

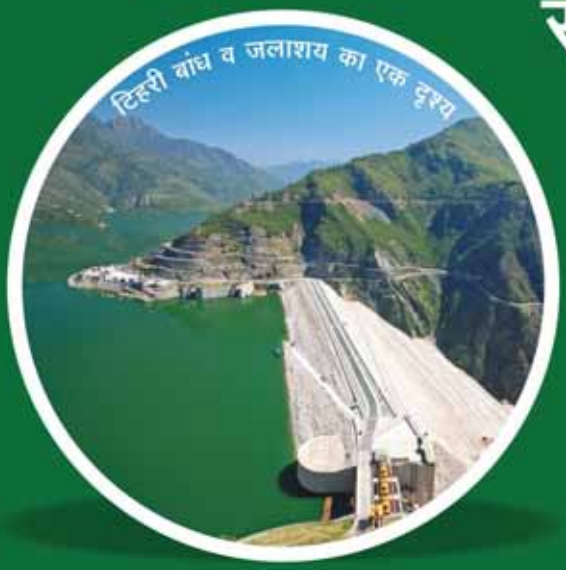

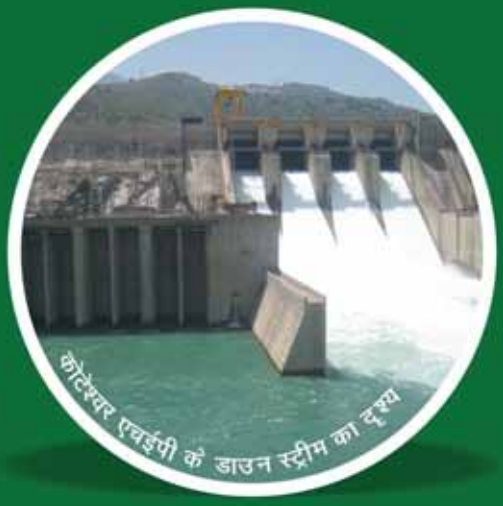

विद्युत क्षेत्र में प्रतिबद्धता व उत्कृष्टता के साथ विविधीकरण से एक बड़ी विश्वस्तरीय भूमिका निभाने को अग्रसर

सौर ऊर्जा

ताप ऊर्जा

पवन ऊर्जा

परामर्श सेवाएँ

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(श्रेणी–क मिनी रत्न, सरकारी उपक्रम)
(Schedule-A Mini Ratna, Government PSU)

गंगा भवन, बाई पास रोड, प्रगति पुरम,
ऋषिकेश–249201 (उत्तराखंड)
Ganga Bhawan, By-Pass Road, Pragatipuram,
Rishikesh-249201 (Uttarakhand)
Website : www.thdc.co.in

कोरोना संक्रमण– जानकारी ही बचाव

मास्क अवश्य पहनें

हाथों को साबुन से बार–बार धोएं

सामाजिक दूरी का पालन करें

Follow us:- @THDCIL 24×7 @THDCIL_MOP @THDCIL @THDCIL India Limited - Official

RNI No. F-2(G-10) PRESS/91

THDCIL IN NEWS

टीएचडीसी ने केरल में पूरी की सौर परियोजना

टीएचडीसीआईएल की कुल संस्थापित क्षमता 1587 मेगावाट हो गयी

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो

uttarbharatlive.com

ऋषिकेश। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) ने कासरगोड केरल में 50 मेगावाट के सौर विद्युत संयंत्र को ग्रिड के साथ सिंक्रोनाइज कर दिया है। ऊर्जा का प्रवाह शुरु हो गया है और प्रोटोकॉल के अनुसार विद्युत क्षमता में निरंतर वृद्धि हो रही है। यह लक्ष्य अपनी तय समय सीमा से एक माह पूर्व पूरा कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि 50 मेगावाट की इस सौर विद्युत संयंत्र के सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन के साथ ही टीएचडीसीआईएल की कुल संस्थापित क्षमता 1587 मेगावाट हो गयी है।

केरल में भी चमका टीएचडीसी

● 50 मेगावाट सौर विद्युत संयंत्र को ग्रिड से जोड़ने में मिली कामयाबी ● कुल 1587 मेगावाट हुई कारपोरेशन की विद्युत उत्पादन क्षमता

INFORMATION

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए.एन. त्रिपाठी, उप महाप्रबंधक (कार्मिक–नीति, भर्ती व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड, ऋषिकेश–249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित

फोनः 0135–2473504, वेबसाइटः www.thdc.co.in ईमेलः prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com

गृह पत्रिका में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(निःशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)

Follow us:- @THDCIL 24×7 @THDCIL_MOP @THDCIL @THDCIL India Limited - Official